

प्रेषक,

एसओएसओवर्ल्डिया,
उप सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
देहरादून।

संख्या 185/VI-I/2006-5(20)2006

संस्कृति अनुभाग:

देहरादून

दिनांक 01 नवम्बर 2006

विषय: बेतालघाट स्थित प्रेक्षागृह निर्माण हेतु वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति दिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशालय के पत्र संख्या 195/सं0नि0उ0/दो-3/2006-2007, दिनांक 03 अप्रैल 2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय बेतालघाट स्थित प्रेक्षागृह निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग नैनीताल द्वारा तैयार किया गया आगणन की आंकलित धनराशि रु0 104.00 लाख (रु0 एक करोड़ चार लाख मात्र) के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा औचित्यपूर्ण धनराशि रु0 86.20 लाख (रु0 छियासी लाख बीस हजार मात्र) के आगणन की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 में रु0 30.00 लाख (रु0 तीस लाख मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उपरोक्त आवंटित धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा जिन मदों के लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृत व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करने के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3. किसी भी में व्यय के पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, मंडार कय नियम तथा मितव्ययता सम्बन्धी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उपकरणों का कय डी0जी0एस0एण्ड डी0 की दरों पर किया जायेगा और ये दरें न होने की स्थिति में टेडर (कोटेशन) विषयक नियमों का अनुपालन करते हुये ही किया जायेगा।

4. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्युल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।

5. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन / मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय एवं सामग्री कय करने से पूर्व स्टोर पर्चेज नियमों का पालन करना सुनिश्चित करें। एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से

6. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/ विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

7. कार्य कराने पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्वित्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।

8. निर्माण सामग्री प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।
9. उक्त धनराशि का आहरण कर जिलाधिकारी नैनीताल के माध्यम से संबंधित कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करा दिया जाये तथा समय से उपयोगिता प्रमाण एवं वित्तीय एवं भौतिक प्रगति जिलाधिकारी नैनीताल के माध्यम से प्रतिमाह शासन को उपलब्ध कराया जाये।
10. उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 के अनुदान संख्या -11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -4202-शिक्षा, खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय -04 कला एवं संस्कृति -800- अन्य व्यय -03- सांस्कृतिक परिषद / कला केन्द्र / विद्यालय / आडियटोरियम आदि का निर्माण -24-बृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।
11. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0 पत्र संख्या 316 वित्त अनुभाग-3/2006 दिनांक 30 नवम्बर 2006 में प्राप्त उनकी सहमति की दशा में प्राप्त किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0एस0वन्दि्या)
उपसचिव

- पृष्ठांकन संख्या:- 285 / VI-I / 2006-5(20)2006 तददिनांकित
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
 - 2- निजी सचिव, मा0मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
 - 3- निजी सचिव, मुख्य सचिव उत्तरांचल शासन।
 - 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
 - 5- अपर सचिव, वित्त उत्तरांचल शासन।
 - 6- वित्त अनुभाग-3 उत्तरांचल शासन।
 - 7- एन0आई0सी0 सचिवालय देहरादून।
 - 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से
(एस0एस0वन्दि्या)
उपसचिव